भाग अ–परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का सामान्य परिचय–03		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	माइनर/ इलेक्टिव(सैद्धांतिक) प्रश्नपत्र -।		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर**ए **विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. भारतीय संगीत के इतिहास से परिचित होगा। 2. अवनद्ध वाद्यों की ऐंतिहासिक जानकारी प्राप्त कर प्राचीन अवनद्ध वाद्यों से परिचित होगा 3. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। 4. तबला एवं पखावज के कुछ घरानों की जानकारी एवं वादन शैली सें परिचित होगा।		
6	क्रेडिट मान	2		
7	कुल अंक	अधिकतम अंकरू 3070	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकरू 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 30, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 0 (प्रति सप्ताह **02**)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान)
1	1. तबला / पखावज के संक्षिप्त इतिहास का सामान्य अध्ययन। 2. अवनद्ध वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी एवं कमिक विकास का अध्ययन।	08
2	1. भारतीय संगीत के मध्यकालीन इतिहास की संक्षिप्त जानकारी। 2. वाद्य वर्गीकरण के सामान्य सिद्धांत का अध्ययन ।	08
3	1. निम्नांकित तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं शास्त्रीय अध्ययन – सूलताल, तीव्राताल, आड़ाचारताल, दीपचंदी 2. पाठ्यकम के तालों को ठाह एवं दुगुन की लयकारी में लिपिवद्ध करने का ज्ञान ।	08
4	1. तबला / पखावज के विभिन्न घरानों की सामान्य जानकारी । 2. सांगीतिक कार्यकमों में उद्घोषक की भूमिका एवं उसमें निहित रोजगार के अवसर।	06
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: अवनद्ध, उद्घोषक, मध्यकाल, वर्गीकरण,		30

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकेंए संदर्भ पुस्तकेंए अन्य संसाधन
1- संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस 2- ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथमलाका प्रयागराज 3- तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर 4- ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस 5- मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
भाग द .अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

TheoryPaper

Part A Introduction				
Program: Degree	Class : B.A.	Year: III	Session: 2023-24	
Subject: Sangeet Taal Vaadya (Tabla/ Pakhavaj)				
1	Course Code	A3MSTV2T		
2	Course Title	Introduction to Indian Music-03		
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Minor Elective theory Paper 1		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course , a student must have had this subject in Diploma.		
5	Course Learning outcomes (CLO)	On successful completion of this course, thestudents will be able to: 1. To be familiar with history of Indian Music 2. To gain knowledge about history of percussion instrument and knowledge of ancient percussion instruments. 3. To know the principles of classification of instruments. 4. To know about the gharanas of Tabla/Pakhavaj and their playing styles.		
6	Credit Value	2		
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35	

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
1	1.Brief study of history of Tabla/ Pakhavaj 2. Historical analysis of percussion instrument and their gradual development.	08
2.	1. Brief study of Indian classical music during the medieval period. 2. Brief study of classification of instruments.	08
3	1. Detailed study of theoretical analysis of: *Sooltaal, Teevrataal, Aadhachaartaal, Deepchandi* 2. To express in writing the *taals* of the curriculum in *thah* and *dugun*.	08
4.	1. Study about the different *gharanas* of Tabla/Pakhavaj. 2. Employment opportunities as an anchor in Musical concerts	06

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

6. Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras
7. Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj
8. Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior
9. Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras
10. MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Practical Paper

भाग अ–परिचय

कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा :B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24

विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)

1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV2P
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का सामान्य परिचय–03
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	माइनर/ इलेक्टिव ;प्रायोगिकद्ध प्रश्नपत्र -।
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन परए विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. पाठ्यक्रम के तालों से पूर्ण रूप से परिचित होगा 2. लय तथा पाठ्यक्रम के तालों दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिवद्ध करने का ज्ञान प्राप्त करेगा 3. अपने वाद्य के साथ संगत के सिद्धांत का अध्ययन कर संगति करने में संक्षम होगा। 4. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन की लय बजाने तथा पढ़न्त करने का ज्ञान प्राप्त होगा तथा स्वतंत्र वादन की क्षमता का विकास होगा।
6	क्रेडिट मान	4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-0, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 60 (प्रति सप्ताह **02**)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (2 घंटे / व्याख्यान)
1	तबला/पखावज पर निम्नांकित वोलों की निकास विधि एवं वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यासः– तकव्ड़ान, धिरधिर, धुमकिट, दोगड़, दिंगदिनागिन।	06
2	निम्नांकित तालों के ठेकों का ज्ञान एवं बजाने का अभ्यास तीव्रा, सूलताल, अड़ाचारताल, दीपचंदी।	06
3	पाठ्यक्रम की तालों को ठाह लय एवं दुगुन की लय में हाथ की क्रियाओं से पढ़न्त करने का ज्ञान।	06
4	तीनताल में विशेष वोलों से निर्मित दो कायदों को पल्टों एवं तिहाई सहित वादन करने की क्षमता एवं अभ्यास।	06
5	आड़ाचारताल/सूलताल में दो कायदे पल्टों एवं तिहाई सहित वादन की क्षमता एवं अभ्यास	06

सार बिंदु ;कीवर्ड)/टैग:

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1- संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस

2- ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथमलाका प्रयागराज

3- तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर

4- ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस

5- मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद /प्रश्नोत्तरी	30	प्रायोगिक मौखिकी	70
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(एक्सकर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क/प्रयोग	
	कुल अंक : 100		

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Department of Higher Education

Program: Degree	Class :B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject: Sangeet Taal Vaadya (Tabla/ Pakhavaj)			

1	Course Code	A3MSTV2P	
2	Course Title	INTRODUCTION TO INDIAN MUSIC-03	
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Minor Elective (Practical) Paper 1	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Diploma.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	**On successful completion of this course, thestudents will be able to:** 1. Be familiar with the *Taal* of the curriculum. 2.To express in writing the taal of the syllabus in *dugun* and *chaugun.* 3.Learning about principles of accompanying and will become proficient as an accompanist. 4. To acquire knowledge and be able to play *taals* of the curriculum independently in *thah* and *dugun.*	
6	Credit Value	4	
7	Total Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (2 Hours Each)
1.	**Technique of playing the following on Tabla/pakhwaj** ***Takdaan, Dhirdhir, Dhumkit, Deegad, Digdinagin***	06
2.	**Knowledge of *theka*and playing of the following taal:** ***Teevra, Sooltaal, Aadhachaartal, Deepchandi***	06
3.	**Knowledge and demonstration of *Thah* and *dugun*through hand movements.**	06
4.	**Knowledge and demonstration of two *kaayda* through *palta* and *teehai*in *teental***	06
5.	**Knowledge and demonstration of two *Kaayda* along with *palta*and *teehai*in *Aadhachaartal/ Sooltaal***	06

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

2. **Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras**
2.**Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj**
6. **Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior**
7. **Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras**
8. **MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras**

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	30	Viva Voce on Practical	70
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
	Total Marks : 100		

Any remarks/ suggestions:

Paper (Theory)